अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 15

(क) उपकरण द्रव्येन्द्रिय किसे कहते हैं?

(ख) मुक्त आत्मा में कितने प्राण होते हैं और कैसे?

(ग) योग की शास्त्रीय परिभाषा लिखें।

(घ) आत्मा की विशिष्ट संयममूलक अवस्था को क्या कहते हैं?

(ड़) शुभ लेश्या के स्पंदनों से किन भावों का विकास होता है?

(च) प्रत्याख्यान मान किसके समान है?

(छ) हास्य के प्रकार का नाम लिखें।

(ज) इत्थंस्थ संस्थान का अर्थ लिखें।

(झ) शब्द के उत्पत्ति स्थानों के नाम लिखें।

(ञ) इमली का रस कैसा होता है?

(ट) आठ कर्मों में बंधकारक कर्म कौन से हैं?

(ठ) आधिकरणिकी क्रिया किसे कहते हैं?

(ड) बाल मरण किन गुणस्थानों में होता है?

(ढ) हुण्डक संस्थान किसके होता है?

(ण) प्रदेश बन्ध किसे कहते हैं?

(त) प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं?

(थ) निक्षेप के प्रकारों के नाम लिखें।

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) समवाय के प्रकार की व्याख्या लिखें।

(ख) छद्मस्थ किसे कहते हैं? उसके प्रकार की व्याख्या करें।

(ग) मिथ्यात्व के प्रकार के बारे में लिखें।

(घ) कर्मबंध के प्रकार का विस्तृत वर्णन करें।

(ड़) स्वाध्याय के प्रकार की व्याख्या करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 20

(क) प्राण किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं? विस्तार से लिखें।

(ख) संज्ञा किसे कहते हैं? संज्ञा के प्रकार का वर्णन करें।

(ग) चारित्र का अर्थ क्या है? चारित्र धर्म की मूलभूत आचारसंहिता क्या है? चारित्र के आचार का वर्णन करें।

(घ) अनेकान्त और स्याद्वाद से आप क्या समझते हैं। स्याद्वाद के प्रकार का वर्णन करें।

तत्त्व चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में दें– 10

(क) जीव आज्ञा में या आज्ञा से बाहर?

(ख) आश्रव हेय या उपादेय?

(ग) नौ तत्त्व में ज्ञेय कितने?

(घ) धर्मास्तिकाय आदि प्रथम पांच द्रव्य आज्ञा में या आज्ञा से बाहर?

(ड़) काल छह में कौन? नौ में कौन?

(च) कर्मों को तोड़ने वाला छह में कौन? नौ में कौन?

(छ) तीन गुप्ति छह में कौन? नौ में कौन?

(ज) पुण्य और पुण्यवान एक या दो?

(झ) कर्म जीव या अजीव?

(ञ) अजीव रूपी या अरूपी?

(ट) सावद्य पुण्य या पाप?

(ठ) तुम्हारे में उपयोग कितने व कौन से?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) नौ तत्त्व पर आज्ञा-अनाज्ञा।

(ख) अठारह पाप आदि पर छह द्रव्य नौ तत्त्व।

(ग) सिद्ध भगवान व अरिहंत भगवान की पृच्छा लिखें।

(घ) निरवद्य पर चर्चा।

(ड़) अधर्म पर चर्चा।

(च) नौ तत्त्व पर चोर-साहूकार।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) विस्तार नय से द्रव्य और तत्त्व कितने हैं?

(ख) सम्यक्त्व के बिना क्या दूर हो जाता है?

(ग) कैसी आत्माएं विरल हैं?

(घ) मोक्ष के चार मार्ग कौन से हैं जो गीतिका में वर्णित है?

(ड़) किसका भ्रम मिट जाता है?

(च) किसका सम्यक्त्व नन्दन मणियारा की तरह चला जाता है?

प्र. 7 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) द्रव्य खेतर.....पाई रे।

(ख) तीर्थंकर चक्रवर्त.....समकित जाण।

(ग) नवूं ही.....अनेक।

(घ) कामदेव.....जान।

(ड़) आश्रव नाला छूटा.....गई चतुराई रे।